Mohanlal Sukhadia University

Udaipur, Rajasthan

Department of Sanskrit

Syllabus

Bachelor of Arts TDC (CBCS)

As per the NEP 2020

(Semester I to VI)

w.e.f. the Academic Session 2023-24

Discipline: Sanskrit

Faculty: Humanities

Sanskrit in B.A. Program: Semester wise course types, Course codes, Course title, Delivery type, Workload, Credits, Marks of Examination, and Remarks if any.													
Level	**Semester**	**Course Type**	**Course Code**	**Course Title**	**Delivery Type**			**Total Hours**	**Total Credit**	**Internal Assessment**	**EoS Exam**	**M.M.**	**Remarks**
					Lecture	**Tutorial**	**Practical**						
5	I	DCC	SAN5000T	नीतिकथा एवं व्याकरण	L	T	--	90	6	20	80	100	
	II	DCC	SAN5001T	नीतिकाव्य, महाकाव्य एवं व्याकरण	L	T	--	90	6	20	80	100	
Exit with Certificate (with 4 credit in sec courses)													
6	III	DCC	SAN6002	नाटक, छन्द, अलंकार एवं व्याकरण	L	T	-	90	6	20	80	100	
	IV	DCC	SAN6003T	प्राचीन भारतीय संस्कृति, दर्शन, वैदिक साहित्य एवं व्याकरण	L	T	-	90	6	20	80	100	
		SEC	SEH6342T	सरल वास्तुशास्त्र	L	-	-	30	2	20	80	100	
Exit with Diploma													

7	V	DSE	SAN7 100T	वैदिक साहित्य	L	T	-	90	6	20	80	100	
			SAN7 101T	भारतीय दर्शन	L	T	-	90	6	20	80	100	
		SEC	SEH7 343T	पञ्चांग विज्ञान	L	-	-	30	2	20	80	100	
	VI	DSE	SAN7 102	काव्यशास्त्र, महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	L	T	-	90	6	20	80	100	
			SAN7 103	व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास	L	T	-	90	6	20	80	100	
		SEC	SEH7 344T	संस्कृत स्तोत्रसाहित्य	L	-	-	30	2	20	80	100	
Exit with Degree													

An information regarding codes:

DCC extends for Discipline Centric Compulsory Course

GEC extends for Generic Elective Course

DSE extends for Discipline Specific Elective

SEC extends for Skill Enhancement Course

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN5000T
पाठ्यक्रम का नाम	नीतिकथा एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 4.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	फाउंडेशन लेवल (10+2)
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध कथा ग्रन्थ नारायण पंडित विरचित हितोपदेश (मित्रलाभ) की कथाओं एवं शिक्षाओं का अधिगम। 2. वरदराज आचार्य विरचित लघुसिद्धांतकौमुदी के संज्ञाप्रकरण एवं अच्-संधिप्रकरण का सूत्रसहित अधिगम। 3. संस्कृत व्याकरण के मूलभूत प्रकरण कारकप्रकरण का अधिगम एवं संस्कृत वाक्यविन्यास को समझना। 4. हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद में दक्षता प्राप्त करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध कथा ग्रन्थ नारायण पंडित विरचित हितोपदेश (मित्रलाभ) की कथाओं का अधिगम कर सकेंगे। 2. कथाओं के माध्यम से विद्यार्थियों का सामाजिक एवं मानसिक विकास होगा। 3. विद्यार्थी संस्कृत भाषा का शुद्ध उच्चारण करने में समर्थ होंगे। 4. विद्यार्थी संज्ञाप्रकरण एवं अच् संधि के यथोचित प्रयोग को समझ सकेंगे।

	5. विद्यार्थी कारक प्रकरण के सूत्रों के ज्ञान के माध्यम से वाक्य निर्माण कर सकेंगे। 6. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करने में समर्थ होंगे।
पाठ्यक्रम	1. नारायणपंडित विरचित हितोपदेश का प्रथम भाग - मित्रलाभ (अश्लील अंश को छोड़कर) 2. व्याकरण - (क) लघुसिद्धान्तकौमुदी से संज्ञाप्रकरण एवं अच्-सन्धिप्रकरण के प्रमुख सूत्र (ख) कारकप्रकरण (ग) कपिलदेव द्विवेदी विरचित रचनानुवादकौमुदी - 1 से 15 अभ्यास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	हितोपदेश का मित्रलाभ - प्रस्ताविका से 'अज्ञातकुलशीलस्य वासो देयो न कस्यचित्। मार्जारस्य हि दोषेण हतो गृध्रो जरद्गवः॥' श्लोक तक (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	हितोपदेश का मित्रलाभ - 'तावाहतुः - कथमेतत्? काकः कथयति - अस्ति भागीरथीतीरे गृध्रकूटनाम्नि पर्वते' से मित्रलाभ समाप्ति तक (अश्लील अंश को छोड़कर) (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी का संज्ञाप्रकरण एवं अच्-सन्धिप्रकरण से निम्नलिखित सूत्रों का अध्ययन अपेक्षित है- इको यणचि, एचोऽयवायावः, अदेङ् गुणः, आद्गुणः, वृद्धिरादैच्, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, एङि पररूपम्, ईदूदेद्विवचनं प्रगृह्यम् । (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	कारक - निम्नलिखित सूत्रों एवं वार्तिकों का अध्ययन अपेक्षित है - प्रातिपदिकार्थ-लिङ्ग-परिमाण-वचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितं च, स्वतन्त्रः कर्ता, अधिशीङ्स्थासां कर्म, उपान्वध्याङ्वसः, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, उभसर्वतसो: कार्या धिगुपर्यादिषु

	त्रिषु। द्वितीयाऽऽम्रेडितान्तेषु ततोऽन्यत्रापि दृश्यते॥, अभितः-परितः-समया-निकषा-हा-प्रतियोगेऽपि, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, अपवर्गे तृतीया, सहप्रयुक्तेऽप्रधाने, येनाङ्गविकारः, इत्थम्भूतलक्षणे, हेतौ, पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्तरस्याम्, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, धारेरुत्तमर्णः, स्पृहेरीप्सितः, क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः, तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पञ्चमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, वारणार्थानामीप्सितः, आख्यातोपयोगे, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवः, षष्ठी शेषे, षष्ठी हेतुप्रयोगे, कर्तृकर्मणोः कृतिः, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठी चानादरे, यतश्च निर्धारणम्। (18 घण्टे)
पंचम इकाई	रचनानुवादकौमुदी - 1 से 15 अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. हितोपदेश मित्रलाभ (नारायण पण्डित), भवानीशंकर शर्मा महाजनीय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. हितोपदेश मित्रलाभ (नारायण पण्डित), शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञाप्रकरण से विसर्ग संधि प्रकरण), जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - प्रथम एवं तृतीय भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 6. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

	7. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण, भाग - 2), व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN5001T
पाठ्यक्रम का नाम	नीतिकाव्य, महाकाव्य एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 4.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	फाउण्डेशन लेवल (10+2)
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. संस्कृत सुभाषित परम्परा के उत्कृष्ट ग्रन्थ महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतकम् की शिक्षाओं का अधिगम। 2. महाकवि कालिदास के प्रसिद्ध महाकाव्य रघुवंश के प्रथम सर्ग के प्रारंभिक पद्यों का अधिगम 3. वरदराज आचार्य विरचित लघुसिद्धांतकौमुदी के हल् एवं विसर्ग संधिप्रकरण का सूत्रसहित अधिगम। 4. हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद में दक्षता प्राप्त करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत सुभाषित परम्परा के उत्कृष्ट ग्रन्थ महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतकम् की शिक्षाओं का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा। 3. विद्यार्थी महाकवि कालिदास के प्रसिद्ध महाकाव्य रघुवंशम् के प्रथम सर्ग के प्रारंभिक पद्यों का अधिगम कर सकेंगे। 4. विद्यार्थी हल् एवं विसर्ग संधि को सूत्रसहित समझ सकेंगे।

	5. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतकम् (प्रारम्भ से परोपकार पद्धति तक) 2. महाकवि कालिदास विरचित रघुवंशम् महाकाव्य (प्रथम सर्ग 1 से 30 पद्य) 3. व्याकरण - (क) लघुसिद्धान्तकौमुदी के हल्-सन्धि एवं विसर्गसन्धि प्रकरण के प्रमुख सूत्र (ख) कपिलदेव द्विवेदी विरचित रचनानुवादकौमुदी - 16 से 30
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	नीतिशतकम् (मूर्ख पद्धति, विद्वत्पद्धति, मानशौर्य पद्धति) (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	नीतिशतकम् (अर्थ पद्धति, दुर्जन पद्धति, सज्जन पद्धति, परोपकार पद्धति) (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	रघुवंशम् महाकाव्य (प्रथम सर्ग 1 से 30 पद्य) (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के हल्-सन्धि एवं विसर्गसन्धि प्रकरण के निम्नलिखित सूत्रों का अध्ययन अपेक्षित है- हल्-सन्धि - स्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुना ष्टुः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लिः, खरि च, झयो होऽन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, ङमो ह्रस्वादचि ङमुण् नित्यम्, छे च, पदान्ताद्वा विसर्ग सन्धि - खरवसानयोर्विसर्जनीयः, विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, स-सजुषो रुः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च, भो-भगो-अघो-अपूर्वस्य योऽशि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि। (18 घण्टे)

पञ्चम इकाई	रचनानुवादकौमुदी - 16 से 30 अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली 2. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), नरेश झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 3. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), रामनारायण झा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 4. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) - जगन्नारायण पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) - शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 6. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 7. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - प्रथम भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 8. रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN6002T
पाठ्यक्रम का नाम	नाटक, छन्द, अलंकार एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	इंटरमिडिएट लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध कवि कालिदास के नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् का अधिगम। 2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त विविध प्रकार के छन्दों का अधिगम। 3. काव्यदीपिका की अष्टम शिखा में वर्णित प्रमुख अलंकारों का ज्ञान प्राप्त करना। 4. आचार्य वरदराज द्वारा रचित लघुसिद्धांतकौमुदी के प्रमुख कृदन्त प्रत्ययों का अधिगम। 5. हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी अनुवाद में निपुणता प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध कवि कालिदास के नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त विविध प्रकार के छन्दों का ज्ञान एवं उनके प्रयोग को समझ सकेंगे।

	3. विद्यार्थी छंद एवं लय के साथ पद्यगायन कर सकेंगे। 4. विद्यार्थी अलंकारों को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझ सकेंगे। 5. विद्यार्थी आचार्य वरदराज द्वारा रचित लघुसिद्धांतकौमुदी के प्रमुख कृदन्त प्रत्ययों का अधिगम कर सकेंगे। 6. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी अनुवाद में करने में समर्थ होंगे।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि कालिदास विरचित अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकम् 2. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तल में प्रयुक्त मुख्य छन्द) 3. अलंकार (काव्यदीपिका, अष्टम शिखा) 4. व्याकरण - (क) लघुसिद्धान्तकौमुदी से प्रमुख कृदन्त प्रत्यय (ख) कपिलदेव द्विवेदी विरचित रचनानुवादकौमुदी - 31 से 45 अभ्यास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकम् के प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ अंक (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकम् के पंचम, षष्ठ एवं सप्तम अंक (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	(क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त मुख्य छन्द - अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता एवं शिखरिणी। (ख) अलंकार - काव्यदीपिका की अष्टम शिखा से निम्नलिखित अलंकार पठनीय हैं- अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, दीपक, विभावना एवं विशेषोक्ति। (18 घण्टे)

चतुर्थ इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी से कतिपय प्रमुख कृदन्त प्रत्ययों का सामान्य परिचय - तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, घञ्, क्तिन्, ल्युट्, ल्यप्, क्त्वा। (18 घण्टे)
पंचम इकाई	रचनानुवादकौमुदी - 31 से 45 अभ्यास अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास), सुधाकर मालवीय, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास), गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी 3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास), शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 4. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 5. काव्यदीपिका एवं छन्दोविमर्श (अष्टमशिखा), रामनारायण झा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 6. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 7. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - तृतीय भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 8. रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 9. वृत्तरत्नाकर, भट्ट केदार - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी 2. बृहद् अनुवादचन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 3. कालिदास और उनकी काव्यकला - वागीश्वर विद्यालंकार

	4. कालिदास की काव्य चेतना, राकेश शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN6003
पाठ्यक्रम का नाम	प्राचीन भारतीय संस्कृति, दर्शन, वैदिक साहित्य एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	इंटरमिडिएट लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. प्राचीन भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना। 2. भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं का अधिगम। 3. वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान प्रदान करना। 4. ऋग्वेद के कतिपय सूक्तों का अधिगम। 5. समास के अर्थ एवं प्रकारों का अधिगम। 6. लघुसिद्धांतकौमुदी के कतिपय प्रमुख तद्धित प्रत्ययों का अधिगम। 7. हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी अनुवाद का ज्ञान प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति से अवगत हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

	4. विद्यार्थी ऋग्वेद के कतिपय सूक्तों का अधिगम कर सकेंगे। 5. विद्यार्थी समास के प्रकार एवं संरचना का अधिगम कर सकेंगे। 6. विद्यार्थी वाक्य विन्यास में समास का उचित प्रयोग करने में समर्थ होंगे। 7. विद्यार्थी लघुसिद्धांतकौमुदी के कतिपय प्रमुख तद्धित प्रत्ययों का अधिगम कर सकेंगे। 8. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी अनुवाद कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. प्राचीन भारतीय संस्कृति 2. दर्शन - भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाएँ। 3. वैदिक संहिता साहित्य का परिचय एवं ऋग्वेद के कतिपय सूक्त 4. व्याकरण - (क) समास - अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व समासों का सोदाहरण सामान्य परिचय अपेक्षित है। (ख) लघुसिद्धान्तकौमुदी से प्रमुख तद्धित प्रत्यय (ग) कपिलदेव द्विवेदी विरचित रचनानुवादकौमुदी - 46 से 60 अभ्यास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - आधार, स्वरूप एवं विशेषताएँ, वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थचतुष्टय तथा पञ्चमहायज्ञ। (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं के अन्तर्गत सभी दर्शनों के प्रवर्तकों एवं उनके मूल ग्रन्थों के सामान्य परिचय के साथ निम्नलिखित विषयों का सामान्य अध्ययन निर्धारित है- बौद्धदर्शन - चार आर्यसत्य जैन दर्शन - रत्नत्रय, पंचमहाव्रत

	वेदान्त तथा मीमांसादर्शन - ब्रह्म, त्रिगुण, पञ्च ज्ञानेन्द्रियाँ, पञ्च कर्मेन्द्रियाँ, पञ्च महाभूत, अर्थापत्तिप्रमाण सांख्य एवं योगदर्शन- प्रकृति, पुरुष, सांख्य एवं योगदर्शन के पदार्थों की संख्या का परिचय, योग की परिभाषा। न्याय एवं वैशेषिक दर्शन- कारण, न्याय एवं वैशेषिक दर्शन के पदार्थों की संख्या का परिचय, प्रमाणचतुष्टय का सामान्य परिचय। (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	वैदिक संहिताओं का सामान्य परिचय एवं ऋग्वेद के निम्लिखित सूक्तों का अध्ययन अपेक्षित है- अग्निसूक्त (1.1) एवं इन्द्र सूक्त (2.12) (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	(क) समास - अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व समासों का सोदाहरण सामान्य परिचय अपेक्षित है। (ख) लघुसिद्धान्तकौमुदी से निम्लिखित तद्धित प्रत्ययों का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है - मतुप् (तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुप्), इनि, ठन् (अत इनिठनौ), इतच् (तदस्य सञ्जातं तारकादिभ्य इतच्), अण् (तस्यापत्यम्, तदधीते तद्वेद), इञ् (अत इञ्), ण्य (दित्यदित्यादित्यपत्युत्तरपदाण्ण्यः), ढक् (स्त्रीभ्यो ढक्), वति (तेन तुल्यं क्रिया चेद्वतिँः, तत्र तस्येव), त्व, तल् (तस्य भावस्त्वतलौ), ष्यञ् (गुणवचनब्राह्मणादिभ्यः कर्मणि च), इमनिच् (पृथ्वादिभ्य इमनिँज्वा), तसिल् (पञ्चम्यास्तसिल्), त्रल् (सप्तम्यास्त्रल्), थाल् (प्रकारवचने थाल्), दा (सर्वैकान्य-किं-यत्-तदः काले दा), मात्रच् (प्रमाणे द्वयसज्दघ्नञ्मात्रचः), तरप्, ईयसुन् (द्विवचनविभज्योपपदे तरबीयसुँनौ), तमप् तथा इष्ठन् प्रत्यय (अतिशायने तमबिष्ठनौ) । (18 घण्टे)
पंचम इकाई	रचनानुवादकौमुदी - 46 से 60 अभ्यास अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (18 घण्टे)

पाठ्यपुस्तकें	1. ऋक्सूक्तसंग्रह, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - चतुर्थ एवं पञ्चम भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 4. रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 3. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. भारतीय दर्शन परिशीलन, गिरधर शर्मा चतुर्वेदी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. भारतीय संस्कृति, वाई.एस. रमेश, हंसा प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय संस्कृति, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 7. भारतीय संस्कृति, जगन्नाथ जोशी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 8. भारतीय संस्कृति के मूल आधार, रमेश चंद्र घुसींगा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 9. भारतीय संस्कृति सिद्धान्त और स्वरूप, देवर्षि कलानाथ शास्त्री, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SEH7342T
पाठ्यक्रम का नाम	सरल वास्तुशास्त्र
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	2
पाठ्यक्रम का प्रकार	एस.ई.सी. (Skill Enhancement Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	30 व्याख्यान
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	इंटरमिडिएट लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. भारतीय वास्तुशास्त्र परंपरा के सारतत्त्व संग्राहक ग्रन्थ 'भवन भास्कर' का अधिगम। 2. विद्यार्थी को कौशल विकास हेतु आजीविकाप्रदायक शिक्षा प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय वास्तुशास्त्र परंपरा के सारतत्त्व संग्राहक ग्रन्थ 'भवन भास्कर' का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की वास्तुशास्त्र के अन्य प्रौढ ग्रन्थों की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थी वास्तुशास्त्र के अध्ययन से आजीविका प्राप्ति हेतु समर्थ हो सकेंगे।
पाठ्यक्रम	राजेन्द्र कुमार धवन कृत 'भवन भास्कर'
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	भवन भास्कर पुस्तक के 1 से 5 अध्याय (6 घण्टे)
द्वितीय इकाई	भवन भास्कर पुस्तक के 6 से 10 अध्याय (6 घण्टे)

तृतीय इकाई	भवन भास्कर पुस्तक के 11 से 15 अध्याय (6 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	भवन भास्कर पुस्तक के 16 से 20 अध्याय (6 घण्टे)
पञ्चम इकाई	भवन भास्कर पुस्तक के 21 से 25 अध्याय (6 घण्टे)
पाठ्यपुस्तक	1. भवन भास्कर, राजेन्द्र कुमार धवन, गीताप्रेस, गोरखपुर
सन्दर्भ पुस्तकें	1. वैदिक वास्तु दिग्दर्शन, कृष्ण कुमार शर्मा एवं रुक्मिणी शर्मा, पत्रिका प्रकाशन, जयपुर 2. बृहद्वास्तुमाला, रामनिहोर द्विवेदी एवं ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय वास्तुशास्त्र, वासुदेव शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली 4. वास्तुसौख्यम्, प्रवेश व्यास, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. वास्तुरत्नाकर, प्रवेश व्यास, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. पञ्चम सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN7100T
पाठ्यक्रम का नाम	वैदिक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	हाइ लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. कृष्ण यजुर्वेद की कठ शाखा से संबंधित कठोपनिषद् का अधिगम। 2. विद्यार्थियों में नैतिकता का विकास करना। 3. वैदिक साहित्य में निहित उत्कृष्ट ज्ञान का अधिगम। 4. ऋग्वेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद के चयनित सूक्तों का अधिगम। 5. वैदिक साहित्य के इतिहास का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी कठोपनिषद् की प्रथम अध्याय की दो वल्लियों का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी उपनिषदों के ज्ञान के महत्त्व को समझ सकेंगे। 3. विद्यार्थी वेदों के सूक्तों का अधिगम कर सकेंगे। 4. विद्यार्थी वैदिक साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

	5. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का अधिगम कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की प्रथम दो वल्ली 2. ऋग्वेद यजुर्वेद एवं अथर्ववेद के कतिपय चुने हुए सूक्त 3. वैदिक साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की प्रथम वल्ली (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की द्वितीय वल्ली (18घण्टे)
तृतीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन अपेक्षित है - विष्णु सूक्त (1.154), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), वाक् सूक्त (10.125) (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	शुक्लयजुर्वेद संहिता एवं अथर्ववेद संहिता के निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन अपेक्षित है - शुक्लयजुर्वेद - शिवसंकल्प सूक्त - अध्याय 34 (1-6 मन्त्र), अथर्ववेद - पृथिवी सूक्त (12.1) (18 घण्टे)
पञ्चम इकाई	वैदिक साहित्य के इतिहास के अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है - संहिता साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, आरण्यक साहित्य, उपनिषद् साहित्य एवं वेदाङ्ग (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. कठोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 2. कठोपनिषद्, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. कठोपनिषद्, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर 4. ऋक्सूक्तसंग्रह, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर

	5. वैदिक सूक्त संग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर 6. यजुर्वेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा
सन्दर्भ पुस्तकें	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 3. वैदिक साहित्य और संस्कृति: पं. बलदेव उपाध्याय 4. वैदिक साहित्य का इतिहास: कुंवरलाल जैन, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. पञ्चम सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN7101
पाठ्यक्रम का नाम	भारतीय दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 55.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	हाइ लेवल5
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. अन्नम्भट्ट विरचित तर्कसंग्रह के मूल पाठ का अधिगम। 2. प्राचीन भारतीय दर्शनशास्त्र परंपरा के उद्गम एवं विकास के इतिहास का ज्ञान प्राप्त करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी अन्नम्भट्ट द्वारा रचित तर्कसंग्रह का मूल पाठ सहित अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतीय दर्शन परंपरा के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी भारतीय दर्शन परंपरा के उत्कृष्ट विचारों से अवगत हो सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. अन्नम्भट्ट विरचित तर्कसंग्रह 2. दर्शनशास्त्र का इतिहास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	तर्कसंग्रह - प्रारम्भ से मनोनिरूपण तक (18 घण्टे)

द्वितीय इकाई	तर्कसंग्रह - रूपनिरूपण से करण लक्षण तक (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	तर्कसंग्रह - प्रत्यक्ष परिच्छेद एवं अनुमान परिच्छेद (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	तर्कसंग्रह **-** उपमानपरिच्छेद से अन्त तक (18 घण्टे)
पञ्चम इकाई	भारतीय दर्शन के निम्नलिखित आचार्यों का सामान्य परिचय अपेक्षित है - गौतम मुनि, कणाद मुनि, कपिल मुनि, पतञ्जलि मुनि, जैमिनी मुनि, बादरायण मुनि, गौतम बुद्ध, पार्श्वनाथ, वर्धमान महावीर, आचार्य बृहस्पति (चार्वाक), गङ्गेशोपाध्याय, अन्नम्भट्ट, ईश्वरकृष्ण, केशवमिश्र, कुमारिल भट्ट, प्रभाकर, शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, वल्लभाचार्य, निम्बार्काचार्य, मध्वाचार्य, हेमचन्द्रसूरि, अश्वघोष। (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. तर्कसंग्रह (अन्नम्भट्ट), गोविन्दाचार्य, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. तर्कसंग्रह (अन्नम्भट्ट), राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी 3. तर्कसंग्रह (अन्नम्भट्ट), अर्कनाथ चौधरी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
सन्दर्भ पुस्तकें	1. दर्शनशास्त्रस्येतिहासः, शशिबाला गौड, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास, देवराज और रामानन्द तिवारी, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद 3. भारतीय दर्शन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. पञ्चम सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SEH7343T
पाठ्यक्रम का नाम	पञ्चांग विज्ञान
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	2
पाठ्यक्रम का प्रकार	एस.ई.सी. (Skill Enhancement Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	30 व्याख्यान
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	हाइ लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. भारतीय ज्योतिष परंपरा के पंचाग परिचयात्मक ग्रन्थ 'पञ्चाङ्ग-विज्ञानम्' का अधिगम। 2. विद्यार्थी के कौशल विकास हेतु आजीविकाप्रदायक शिक्षा प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय ज्योतिष परंपरा के पंचाग परिचयात्मक ग्रन्थ 'पञ्चाङ्ग-विज्ञानम्' का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की ज्योतिषशास्त्र के अन्य प्रौढ ग्रन्थों की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थी ज्योतिषशास्त्र के अध्ययन से आजीविका प्राप्ति हेतु समर्थ हो सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. भास्कर शर्मा श्रोत्रिय कृत 'पञ्चाङ्ग-विज्ञानम्'
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	पञ्चाङ्ग-विज्ञानम् - प्रारम्भ से 'मृत्युयोगाः' तक (6 घण्टे)
द्वितीय इकाई	पञ्चाङ्ग-विज्ञानम् - 'सामान्यतः शुभाशुभतिथयः' से 'राश्यधिपाः' तक (6 घण्टे)

तृतीय इकाई	पञ्चाङ्ग-विज्ञानम् - 'योगनामानि' से 'पञ्चाङ्गावलोकनरीतिः' तक (6 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	पञ्चाङ्ग-विज्ञानम् - 'भद्राविचारः' से 'नक्षत्राणां सर्वार्थसिद्धियोगः' तक (6 घण्टे)
पञ्चम इकाई	पञ्चाङ्ग-विज्ञानम् - 'दिवार्धप्रहरविचारः' से 'शिववासफलम्' तक (6 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. पञ्चाङ्ग-विज्ञानम्, भास्कर शर्मा श्रोत्रिय, हंसा प्रकाशन, जयपुर
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय ज्योतिष, नेमिचन्द शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 2. मुहूर्तचिन्तामणि (रामदैवज्ञविरचित), रामरत्न अवस्थी, तेजकुमार बुक डिपो, लखनऊ 3. बालबोधज्योतिषसारसमुच्चय- शास्त्री यज्ञदत्त दुर्गाशंकर ठाकर, बालुकेश्वर संस्कृत पाठशाला, मुम्बई 4. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका, गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 5. पञ्चाङ्गगणितम्, प्रणव पण्ड्या, श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार 6. शीघ्रबोध, व्या. मृत्युञ्जय कुमार तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 7. लघुजातकम्, व्या. शुभस्मिता मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN7102T
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र, महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	हाइ लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा के ग्रंथ काव्यदीपिका (चतुर्थ एवं अष्टम शिखा को छोड़कर) का अधिगम। 2. महाकवि भारवि द्वारा रचित किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का अधिगम। 3. संस्कृत साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय प्राप्त करना। 4. संस्कृत विषय में उच्च अध्ययन हेतु प्रेरित करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा के ग्रंथ काव्यदीपिका का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी महाकवि भारवि द्वारा रचित किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के इतिहास एवं विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की संस्कृत भाषा के अध्ययन में अभिरुचि उत्पन्न होगी।

पाठ्यक्रम	1. कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य संकलित काव्यदीपिका - प्रथम, द्वितीय, तृतीय, पंचम, षष्ठ एवं सप्तम शिखा 2. महाकवि भारविकृत किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	काव्यदीपिका - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय शिखा (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	काव्यदीपिका - पञ्चम, षष्ठ एवं सप्तम शिखा (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	किरातार्जुनीयम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग में 1 से 25 पद्य (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	किरातार्जुनीयम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग में 26 से 46 पद्य (18 घण्टे)
पञ्चम इकाई	संस्कृत साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित कवियों का उनकी कृतियों सहित सामान्य परिचय अपेक्षित है - वाल्मीकि, वेदव्यास, भास, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, बाणभट्ट, दण्डी, भवभूति, भट्टनारायण, कल्हण, बिल्हण एवं अम्बिकादत्त व्यास। (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. काव्यदीपिका (कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य संकलित), श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. काव्यदीपिका (कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य संकलित), रामनारायण झा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), नवल किशोर कांकर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय 4. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), बाबूराम पाण्डेय, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 3. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भाविद्याभवनप्रकाशन, वाराणसी 4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली 5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN7103T
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	6
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	60 व्याख्यान, 15 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 15 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	हाइ लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. लघुसिद्धांतकौमुदी के समास प्रकरण का सूत्र एवं उदाहरण सहित अधिगम। 2. लघुसिद्धांतकौमुदी के अजन्तपुँल्लिङ्ग प्रकरण से राम शब्द एवं तिङ्गन्त प्रकरण के भ्वादिगण से भू धातु के लट् लकार के शब्दों की सिद्धि का सूत्र सहित अधिगम। 3. संस्कृत व्याकरण शास्त्र परंपरा के इतिहास एवं विशेषताओं का अधिगम। 4. संस्कृत व्याकरण का उच्च ज्ञान प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी लघुसिद्धांतकौमुदी के समास प्रकरण का सूत्र एवं उदाहरण सहित अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी वाक्यविन्यास में यथोचित सामासिक प्रयोग कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी सूत्रों सहित राम शब्द एवं भू धातु के रूपों की सिद्धि करने में समर्थ होंगे। 4. विद्यार्थी व्याकरण शास्त्र के इतिहास एवं विशेषताओं से परिचित होंगे।

	5. विद्यार्थी संस्कृत भाषा के लेखन में शुद्ध व्याकरण का प्रयोग कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी के अजन्तपुँल्लिङ्ग प्रकरण से राम शब्द एवं तिङ्गन्त प्रकरण के भ्वादिगण से भू धातु के लट् लकार की ससूत्र रूपसिद्धि 3. व्याकरण शास्त्र का इतिहास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत केवलसमास प्रकरण एवं अव्ययीभावसमास प्रकरण (18 घण्टे)
द्वितीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत तत्पुरुषसमास प्रकरण (कर्मधारय एवं द्विगु समास सहित) (18 घण्टे)
तृतीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत बहुव्रीहिसमास प्रकरण, द्वन्द्वसमास प्रकरण एवं समासान्त प्रकरण (18 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के अजन्तपुँल्लिङ्ग प्रकरण से राम शब्द एवं तिङ्गन्त प्रकरण के भ्वादिगण से भू धातु के लट् लकार की ससूत्र रूपसिद्धि (18 घण्टे)
पञ्चम इकाई	निम्नलिखित आचार्यों का उनके कृतित्व सहित सामान्य परिचय अपेक्षित है - पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, कौण्डभट्ट, वरदराज, कैयट। (18 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

	2. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थ भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर संस्कृत	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SEH8344T
पाठ्यक्रम का नाम	संस्कृत स्तोत्र साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 5.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	2
पाठ्यक्रम का प्रकार	एस.ई.सी. (Skill Enhancement Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	30 व्याख्यान
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	हाइ लेवल
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. संस्कृत स्तोत्र साहित्य के कतिपय स्तोत्रों का अधिगम एवं माधुर्य आस्वादन। 2. संस्कृत पद्यों का शुद्ध उच्चारण एवं गेयात्मकता का आधान।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत स्तोत्रों का शुद्ध उच्चारण एवं गान कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी संस्कृत स्तोत्रों के अर्थावगमन में समर्थ हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की अन्य संस्कृत स्तोत्रों की ओर रुचि और प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. गीताप्रेस गोरखपुर से प्रकाशित 'स्तोत्ररत्नावली' के कतिपय स्तोत्र
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	स्तोत्ररत्नावली के निम्नलिखित स्तोत्र - मङ्गलम्, शिवमानसपूजा, श्रीशिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम् (6 घण्टे)
द्वितीय इकाई	स्तोत्ररत्नावली के निम्नलिखित स्तोत्र - द्वादशज्योतिर्लिङ्गानि, द्वादशज्योतिर्लिङ्गस्तोत्रम्, श्रीरुद्राष्टकम् (6 घण्टे)
तृतीय इकाई	स्तोत्ररत्नावली के निम्नलिखित स्तोत्र - देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रम्, भवान्यष्टकम्, श्रीसरस्वतीस्तोत्रम् (6 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	स्तोत्ररत्नावली के निम्नलिखित स्तोत्र - श्रीरामरक्षास्तोत्रम्, अच्युताष्टकम्, मधुराष्टकम् (6 घण्टे)
पञ्चम इकाई	स्तोत्ररत्नावली के निम्नलिखित स्तोत्र - सङ्कटनाशनगणेशस्तोत्रम्, कैवल्याष्टकम्, चर्पटपञ्जरिका स्तोत्रम् (6 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. स्तोत्ररत्नावली, गीताप्रेस, गोरखपुर
सन्दर्भपुस्तकें	1. शिवस्तोत्ररत्नाकर, गीताप्रेस, गोरखपुर 2. आदिशंकराचार्य स्तोत्रसञ्चय, चौखंबा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी 3. राजस्थान का संस्कृत स्तोत्र साहित्य, नीरज शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com